Publication : Swatantra Chetana
Edition : Lucknow
Date :3/5/07 Page No.

हीलिंग टच ने पेप्सी को के सहयोग से दी सेवानिवृत्त सिपाहियों को एक नया जीवन

वाणिज्य संवाददाता

लखनऊ, २ मई। रिटायरमेंट के बाद जीवन मेरे लिए असहाय हो जाता, अगर मुझे घर पर रहना पड़ता और अपने बच्चों पर रोजी-रोटी के लिए निर्भर करना पड़ता। प्रोजेक्ट हीलिंग टच ने मुझे एक बार फिर अपने पैरों पर खड़े होने के लिए सहायता की और मैं अपना स्वाभिमान बरकरार रख सका। यह विचार थे सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर रूपलाल शर्मा। इन्होनें अगस्त , २००२ में भारतीय सेना से अवकाश प्राप्त किया।

यह प्रोजेक्ट कारगिल युद्ध के पश्चात वर्ष १९९९ में मुकेश आनन्द द्वारा आरम्भ किया गया था। पचास वर्षीय रोटेरियन मुकेश का लक्ष्य उन सिपाहियों की सहायता करना था, जो भारतीय सेवा से रिटायरमेंट के बाद कुछ कार्य करना चाहते थे तथा एक इज्जत का जीवन बिताना चाहते थे। प्रोजेक्ट हीलिंग टच, मिशन विजय उन भारतीय सिपाहियों की सहायता के लिये है, जिन्होनें अपना पूरा जीवन देश के ऊपर न्यौछावर कर दिया। रिटायरमेन्ट के बाद उन्होनें पाया, वह अपने जीवन की दूसरी पारी खेलने के लिए तैयार नहीं है, न तो उनके पास कोई दूसरे व्यवसाय थे, और न ही कोई ट्रेनिंग ऐसे में प्रोजेक्ट हीलिंग टच ने आगे बढ़कर उन्हें मार्ग दिखाया।

मिशन विजय टू एक प्रयास है उन भारतीय सिपाहियों के भविष्य की रक्षा करने का, जिन्होनें अपना सब कुछनिछावर कर हमारी सरहदों की रक्षा की है, आनन्द ने कहा इस प्रोजेक्ट के विषय में आगे बताते हुए उन्होनें कहा कि पैप्सी को ने इस उददेश्य को समझा और इस प्रोजेक्ट में जो सहयोग दिया है वह अमूल्य है इससे सेवानिवृत्त सिपाहियों को जो संतुष्टि मिली है वह इस बात से प्रकट होती है कि वह इससे एक लम्बे समय तक भावनात्मक स्तर पर जुड़े रहे और पैप्सिकों के साथ काम किया।

इस पार्टनरशिप से भारतीय सेनानियों को लाभ हुआ है उन्हें एक मजबूत रास्ता मिला। विक्रयता, सह सेल्समैन और ट्राली वैडिंग विक्रयता के कार्य इन्होनें बखूबी निभाए। आज ३८ सेवानिवृत्त इस पेप्सिकों नेटवर्क का हिस्सा है जिसमें से छः जम्मू में तैनात, जिस निपुणता और कठिन परिश्रम से इन्होनें कार्य किया है वह न केवल सराहनीय है। इसके साथ-साथ इससे कम्पनी को ,खासा लाभ हुआ है। वर्ष 2006 में विक्रेताओं की इस टीम ने २० लाख की कमाई की है। पेप्सिकों के साथ-साथ जिन अन्य कम्पनियों ने आगे आकर मुकेश आनन्द की सहायता की है उसमें है- अपोलो टायर्स, आईसीआईसीआई, माइको, कैस्ट्रोल, आईओसी, हीरोहाण्डा और टाटा मोटर्स।